

288
Buddhist
Devotional

1334

1

१ श्रीनवमूर्ति

२ पदवर्ण

३ कर्णवर्ण

४ सप्तमूर्ति

५ पञ्चमूर्ति

६ त्रयमूर्ति

७ सप्तमूर्ति

८ त्रयमूर्ति

काविरुद्र कृष्णाय नमः ॥ अथ श्रीनवमूर्ति स्तोत्रम् ॥
१ श्रीनवमूर्ति स्तोत्रम् ॥ २ श्रीनवमूर्ति स्तोत्रम् ॥ ३ श्रीनवमूर्ति स्तोत्रम् ॥

ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥
नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥
नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥
नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥
नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥
नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥
नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥
नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥

कर्मविषय केन हज नमनिमहा कष्ट इव न वप्रिपीडि तामाहि
तस्मात्सिद्धासिद्ध गुह्य गुह्य कथं पुत्रा म हविश ॥ श्री आर्याव
लाकि तं उपशयाच ॥ गुरुसूर्यगर्भसत्वा नांपूर्व जन्मविषयकि
नामनिक कदादि गुह्य गुह्य सिद्धासिद्धा पाय हानं त्रया सम्यक्
राशिर्गं नरबीसुपुहि तापाय ॥ गुरुव क्काम्य हं नदा ॥ आ दोष
कत्री विद्यायां पूर्व सिवी सुकृ यीत् ॥ उपमपे यद्गु ॥ १०६ ॥

कापां षष्ठ कत्री जाप या डाडा क नडा डा क या कामना क डाडाम
समश्च नियह सपमसस्य ॥ ० ॥ पमग स्यागं ताम् डापत मिगु
विमश्च यात्रा पक्षपता अक न सत्ताया ॥ गगुपत्र संध लूपथ
मंकन कवे तत न पश्चात् कुमल न रुमा लयं जे त्रीधवीग
हशा कय म सुलं वग सिहं व द्रुग्व धनू गत्र वन ह्रदवी
कृत्तु म्प हीन वृद्धा य ना स वृत्त गुको कन कल गं हान

मनिं वज्रं विविद्यमस्तु गं रं वानन वक्र संहिता मयु यम्भ
सुव लेह क्री विम सुगगीम लुलं पुहारावकु विनाडिनं ॥ गुरु सद्य
लिखितं यं पुन पुन स्यप जि नं विगनि स्वन गुटि-का नीलिपु
मगुटिका संहिता एक विगनि ती ॥ ॥ धनी लिपु म सावा कान
सुख द वना या राव ना नम स्का न या ठाडा धन रात पाशा का यारि
ठम रि रु रु न सिद्ध अ सिद्ध रु ल रु न ॥ ० ॥ धनी लिपु रु कया

काम ना खं ठ ठाडा श्री आ र्था व लादि नं धन या राव ना या
ठाडा गु गु लि काम न स न या डा ॥ धन रु निम रु विम रु जा य
या ठाडा गु टि का जय लप गु नि का वाय कः द्रा या म ध स र्णी
ली कं धन रु डा न क न क र्थ ल ज डा क धन वाय क ॥ ० ॥
धनी लि लो क धन या क पु म्भ गु टि का लो क या रु ल ॥ धन या

२. पिभन्नयादुखनः॥ अथाभं किं रूतया न जानन्नल्लथया अइवाम
सुअमयत्रकयस्येद्धं २०८ धादा अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम
पूजायादं विरालसंनता पादसंनता वृत्तिसंनता गययन॥ हन
कालयल्लमद्धं ४ जानन्नल्ल अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम
मृत्युरया अविद्याय मृत्या अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम॥ १५

यमनयादुल्लथ अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम॥ १५
मृत्युरया अविद्याय मृत्या अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम॥ १५
नर्क॥ अथयमनयादुल्लथ अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम॥ १५
दावीयाकयादुल्लथ अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम॥ १५
कललाकनयजायाकथनार्थं किं रूतसदृशं शय अजावन्नतया अयं वा मृतमालनम॥ १५

मनकयनमइतअधकदवनायाहृद्विइ॥वागयादनसाप्रहृमु
खदलिमलसुखरुय॥संनानयाखदनसासीकाप्रहृदिगने
मेयाखदनसाधित्रारुय॥००॥सुदवनायाहिमस्यनयास्रवायाहृन
सालिदरुय॥**चतुर्थ॥स्वतदवीयाकरुकाहृल॥कमनूदन**
रुहाननखहादाअवानसुवहृषयगुयासतअयाअथावाक

मिसधनसंपत्तिस्पर्लुलायडासुनानंहिसमहिसरवहागसांसुना
नरुयडामरुद्रुयारवदनसांरिहृत्वायमिगयारवदनसांरिगिहृ
हासंनानयाहृसांकायमवाद००॥वागयाखरुसउत्याद्रुयारवद
नसात्रागननानंलायडाविष्मचयाइखनद॥०॥निवतिसपना
यखाहाउावसदायनागयाया०यायनागयडायायवृविनिर्मु

सं हं यमात्रसूदेवतायास्तुजातया कृपाइधुकाकृतदेवतायाष्ट
जायाचनलिहइ।यूडा॥ ४॥ **पक्षे मनदुतु गवउसरुकेयाह**
ल॥युर्वनगुत्तयाकद्रकायक्कीयाहाडीनतुत्यामनहानयइयइ
थजामनतिहानयुर्वजन्मयाआगिखसरुलइली।गकुवभइय
डामषआयूयुद्विइयूडाययाआयातसांसिद्धइयूडा॥ नोग

याखडेनसांकुयाखडेनसांकुलदेवतायाइखनइयवर्तयूसि
घातसराहथडाधियियाइखनयिठमययाइखनइधयानि
मिलिनसदांकुनमनसतमअदिक्इयूडा॥ नोगइयूडाहय
इयुलआहयजोमइ॥ थयाठमनिअमिताहंतधगतया
जाययायआयअलिषककायलनपिनकाययातथावसूध

ना पा० चाय प्रतिष्ठा कर्म वलिविय मा लय न स घ स सु या ख द न सौ
हि द रु ला ॥ ७ ॥ **षष्ठ मयुक्त सिंह संज्ञक यादव ल** ॥ सिंह या लू सिद्धा मूधि
जक धिया मा तु न अति व न ला य ॥ ७ ॥ जान चरु रूपा कृ थार्थ थडा थ
स वा नान थ म वि नान भव म दू द ग म न न डान सा ना गी द ४ र वी रू यडा
या र य म दू डिडा या र ना ग म रू य म दू । ना ग या ख द न सान नान लारूडा

म च व म् व म् क न नान ल यडा ना ग दू ४ र व रू प प त पि ग म य या इ र व का
थ या कं ष ना डा डा ना ग या दा ख न द ग म नि ना ग पा ० या य पू ज हा य
द व पडा या य वलि उ म य र व डा म रू द न स म म य डा ति न ड म ग क का
ख न र व डा ॥ ८ ॥ **सप्त म ना ग उ य या क रू क या द व ल** ॥ गु रि का द ग म न
न हिल सां दू कां म सि दू जल क म अ सि दि म रू र य ग क सि न ड

द्यह्ननलपुरुडा पर्वनविहितिन कनिनिडा हय लसम हा हय यन
 याय माल वनड या न सा या यडा बोत्रया हय न द्यमिलुता या गयो ला
 यथा कथयु लिप्रम द्वा गारुला सा जैत्र क ॥ १ ॥ ध्या ॥ भक्ति प्रका काय उक्ते
 ष विज्ञया या ० यात क मा हा वलिय ल क र ह्य था य द व य ग्ना थ त या न
 सा वि स र य न ॥ भिम म हा हय ॥ १ ॥ जय म व ला क मा न स र क या

रुल ॥ वनाई द ह म द न सां थ उ म न सा का म श उ प्र म थ अ उ
 ल्पि ह्वा ख लि न सो वा न जू दि क म इ ह्वा स न्वा श य उ ल य ॥ वि चा
 न द य के मा ल न फ र य भं न चो न र य इ वि चा न य द य के मा ल ॥ ना गी या ख ग उ
 ना ग र य उ म र य म व द या ह न या ख रिं जि उ म जि उ या ख जि उ ग द या ल य क थ
 क ध य न द धू जि ॥ ध या भ नि द उ पू ज व द या म च रु ल सां व द ह्वा रि ह्वा च

ये राजनयागकधनागइ० खनधर्मजालमाहानाजायादाघन॥ ८ ॥ अथ
से तनयागकधनागइ० खनधर्मजालमाहानाजायादाघन॥ ८ ॥ अथ
नूदगसौसंदरुमालयिभासीवाकसायारुदाघनकयादाघनदु० अथयधनह
निरुयसंगानमइ० पूषदगसौकायाकककववहर्नयिभाचनमूचागाअं
कायूअरुयदूमनसकचिंगलरुयूअययुयच्छिदगसौसियरुअधयाभानि

माननवलिअथयगककककननकाकायवलिअककनमहाहूगर्गअदयक
वलिअयगअधकधर्मयाययिउलाकयूअयिउधयधर्नयागसापूषरुल
दयूअयूअमदगसौचलक३काअमावानस्यवायकथं सवायाकनतक
अ॥ अथपूषकयासातसौमलि॥ २० ॥ अथनद्यावनदयियाअवामातदअ
ययाअभा॥ ॥ नवमवनदवीयाकककायाहल॥ सुलिदयवसकती

क्रिडाजार्वाहालपोयुलि सिद्ध कंसमान्यवार्नवावहि क्रिडायाधदामइवस
जानसांवलइयंरुहलर्द्धः इच्छाखदनसा हिममनयाइव न जगर्थं
गीनयातसुकदाहता आइधवसुकलिगवियानलिद ॥ सर्वभयाखदन
सा जगलवाकननिधययाय आमखकनर्धदाशय आधपग्रह सात्वता
सांमध्यमा ॥ १ ॥ त्रकादसमातृदसशकयाहल ॥ सर्वैयेसात्मावदूया

हिलारुहोराग्यधपग्रवव आजाय अर्थं ग्यलिदसचाधनिशयं हृग्य
उलिहृगोधनिशयं हृग्यालेकसु सिर्यं हृग्नं अ अहरायिनखायागिरा
नमक्रिडायाधमाधमनविग्नसवाकाकने विश्वासघातयाय अ विजा
लया आना ॥ गदव नूननानं लूय अ क्रिडा मक्रिडा खया क्रिडा वा सा मिगु
वधलिहृनागवाननानं लाय अ वनं गजामहालारुथ अ अनाय ना

आकाशमूर्तिरिह ॥ ॐ दनं वृक्षं विवाहं याचत सीरिह ॥ ११ ॥
 मंगलं मंगलं मंगलं ॥ १२ ॥ यो हरेत्तदगसां लिपतस्तु गच्छति ॥ १३ ॥
 पालकस्य पतिश्च तस्मात्तदयातां निडा ॥ १४ ॥ यारवद्वनसाम् ॥ १५ ॥
 यावन्त्यस्तु यथा ॥ १६ ॥ यावन्त्यस्तु ॥ १७ ॥ यावन्त्यस्तु ॥ १८ ॥
 यावन्त्यस्तु ॥ १९ ॥ यावन्त्यस्तु ॥ २० ॥

त्रिपुञ्जाम्कृतयुञ्जान्त्यान्वतिविश्या॥ तस्यैव नानन्दवि
 ज्ञानमस्य॥ तद्वद्वक्तुं कर्मसुखा॥ जिज्ञासु जिज्ञासु खमजिज्ञासु
 यासातस्यैव लिङ्ग॥ १२॥ गुणादग्राह्यं निर्विकल्पकं शब्दरूपरस
 चक्षुर्मात्रेण नवदानयादानं लिङ्गं॥ सूक्ष्मा नार्यल्लायमात्रं विज्ञेयं
 ललपतस्तस्यैव विज्ञेयं नमस्तु तद्वद्वक्तुं कर्मसुखा॥ नो गत्या श्वेधिना सु

सुमनसं कृयाव बागलरुना धनरुना रिक्तकर्मगी नयावकुना
उडागं गभवन प्रकाशना धवैकुन विनकाडा दगावहि नीस धरु
प्ररुसिसंधरुल अठकाडा सैतानयाव युषर्क ३ दयुअ मृख यावहि
याहान अउरिद यादसयादावनद सुक नयायमाल धुय प्रसनेरीन
धम ॥ १३ ॥ अउरं मसुल कल मरुतायादल ॥ धकल मयादुअ नजी

उया अ मृगलंखद ॥ उमना जान कंयायमरु धगा र्थ स मरु र्हिद
यावहिद दावन ग कलिन साय मरु सैतानयाव मरिद युषसीय
यूजीसियंरु ॥ सिधूम सिधूयाव सिद्धरु युअ ग यावन नाने ला यूअ
कुमिससम सुदवताया सुद विद धय प्रयो कया साता सैरिद ॥ १४ ॥
यैतद मसुन माल सशक्तारुल ॥ सकल सैर्न यूजाया यूअ क कंजन करु याने

शिनवर्तमानराणीवृक्षकामनाश्रुधर्मकगांदजनयागधफुलिनजयलव
महुसकलमैनुकधनथडावधरुयुजधनयाखनिधयाखक्याखधम्मया
खगमनवलजयाखनागयाखसमसहिरुयुधर्मादयडादाषनहिसहन
यागभक्तिवहिएपूजायजविदात्रितीधत्रितीठैपौरायमिगुसंवहिरुधय
मनहुयागंसागसाहिरु ॥ १७ ॥ **आदगाजकलवडूसरुदयारुस ॥**

विगववजाधंसनानंमहुयासाकभनयाकयाडापर्वजमहसडामिल
यहहागाहलिर्नगानंनानंहुयारंमहुहुयासर्वहिसिगवधहोप
गर्मादयडाजिडामजिडायाजिडातदवमुकलुयडापल्लरुसगड
धदसमसंकासिधदगसाकनमांशयायूडा। नागियामृसुमसवक
नाखनहिसहनयागाकगीयाभक्तिपूरेवननदडापूजातलसं

लक्ष्मणलपत्रकाथनानंरिठथपुनरुयाउवतर्माहठ॥१५॥सपान
गमहिंलगंवरुकायाहलामहागंवरयागददगदिगसंठठठनसदा
मुमिहंगानवृद्धिरुलठनपर्ववतनदुगिनीडायाहयद्रगप्रहयद्र
हिस्वद्यालहयसिदांकायडायाहयद्र।लागियावनांलायडा।दुयासा
नकाद्रिवामानलिसिस्वसुर्कायसिधुगुहा।नठवमृकल

पूजादायनविष्मचयागमनिवलिवियभूतननाजायायाधसा
यधर्मनकार्नीयायधपुग्रसमर्कयाहिठ॥१७॥नमोदममरु
हिमलहनानवाहाउवठसककयाहल।सिधुमसिधुयावमसिधु
नयाहायाकलसंभसिद्ध।थकनादयडासमुतठवमुकलडा।इसकलरु
लापमनललाकार्थखलान॥वागयावमृल्लवपत्रकगअठमसावराता

वश्येदु धनद्वयं हरायी विद्या ध्यानं दक्षामलू अ वागयाम लिह संतान
याख मूचाद यू अ पत्र द ग स द ग म म लिह स ह या य म माल ॥ अ या भक्ति
रुं क म् ४ पू गा या य रा ग न या ग क व द व र्थ थ य व उ व लि वि थ त ग या उ
कृ पा थ या ग क थ प्र भ स म र्म म लिह ॥ २८ ॥ न व द ग क्क मि खा दा स र
क क या ह ल ॥ त अ ध क वू सि स दा ना ध य र यो अ अ र्थ अ ग ल स म द

न सा लि म ल स ध न द या अ अ य अ क्का पा र ख र ल सा लि म ल स स खि र
य अ या दा २ धा सि ध क न क स गुं र ॥ वा ग या न नान ना उ वि ह म् ३ मा
लान लू य अ त ठ व क्क क लू य अ दा य न थ डा क्क क्क न ग म् क्क पा ट न सि क
पि ग भ व या दा र्थ क्क या क ल ह न पि उ ल पि अ पि न डा न सा ला य म् म लि डा
॥ अ या भक्ति पि ग भ वी व लि वि य ता न न ग य थ म नु न पि त क्क य ह म

सुहृद्वाध्यापुनस्तुयारिहृद्वा १२ ॥ विंगतिवदमासकयाहृत्
॥ गुरुपदसवाधयस्युडां हृत्पदसहीनस्युडां ध्याता ॥ धं पूजासधर्म
समनगिडा धर्मयास्येकठनिर्मलधर्मयाडा द्धनमैससूखस्युडा
मयमममनयाविमनयादायनधडाधितियापिमविद्यादायन।
ध्याममनिकिलिवियमानननयप्रगियाननानलस्युडा ॥ अलिनका

खकास्युडाथडा जजावदमामयाजथनलकवे एथडा द्धगलीडान
संमिगुवधहृत्वा ॥ ध्यामद्वदनसाधिताननिनिसिद्धस्युडा द्धयावका
नस्युयास्येसधमा ॥ २० ॥ अकविंगतीह्यानखर्जसकयाहृत् ॥ ध्यामि
दुखधनउल्लानखधृत्कयाहृत्मनयाधनस्येपलितधडावस्यस्युडा स
नानपेरुद्री २ पूरिद्री १ दयू ॥ वागयावामह्यमस्वदुदावनागयकया

संयमससिककृपिभ्यः प्रयासः ॥ गतिनागपूजा वलिवियः उच्छिष
विजयायाः ० यायः धनं भक्तिः ॥ ह्रीं स्वसं उल्लसः लयं धनमनसं महाया
एव न मेया लारुयया माया न सी संपूर्णसिद्धिः ॥ गदवमुकनना
नं लयः ३ धनं प्रभसमसं रिद्धः ॥ २१ ॥ ॐ नमो श्री गुरुभ्यो नमः ॥
नमः ॥ गुरुभ्यो नमः ॥ ० ॥ ॥ गुरुभ्यो नमः ॥

२ श्रीमदकविगतिनागदशानुनवा ॥ गतिनागदशानुनवा ॥ गतिनागदशानुनवा ॥
लददकनकामनायादाउल्लिखिद्धमयः धनमनसं मानययादा
कदवपूजायाः ३ धनं प्रभसमसं रिद्धः ॥ २१ ॥ ॐ नमो श्री गुरुभ्यो नमः ॥
ह्रीं स्वसं उल्लसः लयं धनमनसं महाया
एव न मेया लारुयया माया न सी संपूर्णसिद्धिः ॥ गदवमुकनना
नं लयः ३ धनं प्रभसमसं रिद्धः ॥ २१ ॥ ॐ नमो श्री गुरुभ्यो नमः ॥

नकाकाडा रुगसागादनयागक थडागिया वाडागुडासगदानयाडा
हुं पा ० यागकिवृद्धास्त्री राजन जिथिमिहापनिहाजन यागकि मुकागा
नक दिवानक थगयागानहिनिडा रुगिया १ सवृ लनिपाइयगुडा
हाडायं रु पिहाडा नरु थथेदगसान नानममिधु हा लपाका मसिधु थ
द्वयलयायमात नागिया नागधि नाहिमनह नाग गमनि रुयूडा सुधा

सूमातदवननक्रायायूडा ॥ २ ॥ **नाग** **म** **रु** **डा** **ला** ॥ थयारुलक न रुस
मुलिमकनागयालयदु का रुद्रालदजाया दावनद पूजायायमातन
नक्रायगायनसवलिया १ मिभवडा नापलायमात रु सहात्रयाडा रुल
रुदनमरुडा मिहलिक नाय कसात सामहिक रुन इहरीडा रुडा लय
रुयूडा ना वगस क रु रुयूडा ओ नयालयइग रु या लरूडा विवात्रयाडा

वनजया इतसांस क्षमथयारुह प्रार्थना मर्निवेत्यसुमुपरायत ।
 मुनीसदा कदवतायात धृपदय कीर्त्तुन हारुका कोथियेन दून
 सुनिभइयडा ॥ ३ ॥ **मा मा सुवर्णा वल्लभा नदय नियाता ॥** कून हानय नय
 प्रथजा वडा नानंदग क मरु र्थ कून काम नाह नानंदग क मरु ॥ ला न
 पा ॥ ॥ हेठ इयडा ॥ जायता रुजा दमुने दव नाया सुटा इदू मू कामरुका

x x x x x

सांभलादयडा ॥ कून धन नागव नृल ना निदानया कायात ल ध नावाय सुमा
 लनागीयान नानंलायडा ॥ कून काम नानं सि ध ॥ **मा मा सुवर्णा वल्लभा**
नदय नियाता ॥ कून हारुका नायव नम दू दान विडा गडा धन द
 दव नाय जायाडा ॥ हारुका का थ कू नाग या वलि विव को ग या रुय पक्ष न का
 पा ॥ काम क द मे द द गडा ल कू वे ल थ कू पूजा या का सु सि सु वे लो म मडा

पाकसेतजामानसंनजितयःतडा धद लामावाय्यत्रा फनया कंरु
ऊनायाश धननगानी॥यूनलालपाया विनमृष विमया तसीहि
दुमवनखमयूथयातला कला कफा उखला यम न ध विष्कय
कशनमनःप्रयन मिताया धया किशायु वाय्य लोऊनया त
कथनन लिङ्गनयासाका न दव फी २ तागा फी १ रवे या न

यूनलालपाया मसिंधू धमरु ॥४॥ नकवर्णु दन ग द न
नाथमारुखनलालपाकाय्य सिंधु दक्षिणा पुत्रा सुजामरु
अनकलालयमनना धरु ताश को लाल वि जी ननमलया
या उवन जया ला लइरु मा या तसी सिद्ध श सु जी वृषु दयता
यासुदु किद्ध ०० कुदव ता सा कव न दह क मा म ज द या सु सी र

समस्तसुखशयूअनागियानाममनिशयूडा।।जा।।हृतिव
द्वगंशलाताध्यारु।।अनलालयाकार्यतनानसिधुतडाधन
मनूयलालयमयनमवनहतासनयायूडागडाधठमनूयरुत्रसाप
नमागांयूडाकुकमधमिदूयूडा।।गियामृत्पुमरवठननानंलायू
डाअनक्रपाइदइलसालिमससग।।थसूर्यतूडा।।थंकथां।।थईगे

कर्पडाडायुडाननानंसिद्धरूपडातडाधरुदवगायासूदविद्वयपु
 नसमसंहिठ॥५॥
 याकार्यकार्कथेयुनरुसभवनसष्याडाडातलरुनरुसवेएसद
 सिद्धडाअपनायाडापुत्यंगिनापंयनकाया०यावकिअपनमिना
 पूजायाडापगुरुलसांरुलसांस्याययातडाक्रुदासवियाडागोलग

मन्त्रनाथगयागसाकन लिमलसमलि कमरयूडा ॥ ६ ॥ नाना
 सु ~~गयागसाकन~~ ~~मन्त्रनाथगयागसाकन~~ मन्त्रनाथगयागसाकन
 यागसाकन लिमलसमलि कमरयूडा मन्त्रनाथगयागसाकन
 लसावदरयमात धर्मयागसाकन मन्त्रनाथगयागसाकन
 कासावदरयमात धर्मयागसाकन मन्त्रनाथगयागसाकन

मन्त्रनाथगयागसाकन लिमलसमलि कमरयूडा मन्त्रनाथगयागसाकन
 वलिमलसमलि कमरयूडा मन्त्रनाथगयागसाकन
 कासावदरयमात धर्मयागसाकन मन्त्रनाथगयागसाकन
 मन्त्रनाथगयागसाकन लिमलसमलि कमरयूडा मन्त्रनाथगयागसाकन
 मन्त्रनाथगयागसाकन लिमलसमलि कमरयूडा मन्त्रनाथगयागसाकन

[illegible]

निलायुडा नक वक्तु कलुयुडा कार्यसदया का द्वायमन नूगलसन
 याडावाठ हिठुयुडावे ॥ ११ ॥ गतनाम सतम ॥ १२ ॥ नन ॥ १३ ॥ २०
 याहलुयुनलान या कार्यसिठुयुडा युनद्रुसहिठुपापया क मरि
 नवयाजिडाह नसयायमन नाहं ग्राममडान साजायमद्रुजसद्रुयुय
 हनिमूवायाव एठ पुत्रला एद्रुदनलन सा द्वायमन सहिठु

नागहमिजासूयडाधनपशुहाहानगनीयाहयइविवात्रयाडानाकून
 हात्रपाकार्यडायधवानसाथिथेमडाडावेत्ययागधूपदीपपूष्यग्वत्र
 जादयकंदइदंपयामनपूडा लामासूगुत्रया कंनडात्रकाकायाडाथडा
 कसगिडाइडातसतकागयामयधमनसमर्कहिनडा॥ १४ ॥ गाना
 सु **सगमधवदुर्गनिलाना॥** थयारुतकूनहातपाकार्यसमर्कसिद्धया

याहय

पमदकूसहिककूनकासयदधुजितिसतससयदसूडाहात
 पाकार्यहगासवायमननासिद्धसूयडाथकाभवेनडासयवद
 गमनिपा०पंयत्रकागमसडानसाहिकउकविरुयाकसमर्कहिक
 सु **सिद्धसूयडा॥ १५ ॥** गानात्रकव **दुर्गनिलाना॥** थयारुतहात
 पाकार्यमध्वमकूसहिककापात्याकाइयकोनहगासवायम

माहमहिष्ठमभिकियाययागज्वं सुहृष्टि काया ० याडा अतनकनः
रात्रपा कार्यसिद्ध कायाकनधरुत सासिमससहिनीडात्रागिया
उवद्रागभिकिया ० वेत्यसद्विदवसपूजायाडा अतनकनहिनि
डा ॥ १५ ॥ गगार्क कसव लुतातादत्रसन सागा ॥ थयाहलकनलाप
ये कार्यसिद्ध एवतिथी नाशयडा कनगडा धरुका रात्रपलधसभवन

ॐ

महिष्ठयाकद्रुयाहयद्रु सासिद्धरुय (थं) डातसामवूनविषक
ययनकनधमयाडा नाजायाहयद्रुमवडा त्यायमालंरु (ग) वल
संपूजायायमनरु कदडापूजायाडा कसत्रविदसूर्यधियाडा
गिडाकनससवाठलरु लाकामरुपनिदानयाडा अतनत्राग
पांरु कार्यरात्रपससिद्धरुयडा तडाता रात्रपमन ३ कविर्क

पाडा ॥ अतनसिद्धरुयडा ॥ १० ॥ माता ॥ गवतव ॥ दमन ॥ ला ॥
 पाहलकनलालपाकार्यरिनरुय ॥ धिमाननाशगियापूठनागदा
 खनदवसिमाधकादयडा नागलंबद ॥ असनादयडासूथवहविस
 पिहाडानादयडालाकादयडा ॥ अनागनमवयाकडा नयडा ॥
 बागमनिदडायडा ॥ सुसवलिविषयपूषिस ॥ वलठगुवास गय

गुवायालाहापूषिसगिडापंवलकोपाठयंडसूर्ययागपूजा ॥ अयाग
 निनागिया ॥ अतनवनयडाधमविकरुयडासमललात्रवाकार्यसिद्ध ॥
 १० ॥ माता ॥ गवतव ॥ दमन ॥ नि ॥ ला ॥ ॥ अयाहलकनलालपाकार्यथाक
 सुसमलिकथडाधिथिडाविनाधाठपासूयडाविद्यात्रयाडा नादडा
 याकवलरुठनागियाखम ॥ सुसवठपा ॥ ० ॥ यातकिडाथधयागस

गुनिहिनीडा कार्ययासिद्धि जाहूयडा भवतमराडा अवाहवून
ययाडा ना अयाहलसमलरुतिथिअरु ॥ १२ ॥ **नागानीनवर्ग** **द्वर्ग**
लागा ॥ अयाहल अन्नरात्रपा कार्यरुतिथि नाहूयडा रागियाससु
मरुहनागमरुनसांगयाहयइ अरुमरुहिरु अरुनिडा गुतिह
कननरुनसुपनसरा निडा अयागमनिथडा वरुलाकाज दानवि

डावीहिवहनसिठलाहिरुकापात्रसुखलसिठविठनगिसदा
वातसुगयलुकासत्रकातय कूलधवनापजायासपवनकाया ० या
यवहनितुसिवानमिडा अमनअन्नअरुहिरुनिडा रागनायडाह
तपाकार्यसिद्धिअरुतिथिनाहूयडा भवन अरुकायडाह
त्रपाकार्यसिद्धिअरुतिथिनाहूयडा अरुकायडाहनासचा

विष्णुसमन्तादुत्पत्तिनिधिका॥२०॥मातास्वर्गवर्त्तुद्वयमानलामा
 ध्यायानुत्पन्नलामाकायसिद्धिपिडादिगामवाकद्वयानुत्पत्ति
 मडाधर्माकायरात्रपलसिद्धययाकार्ययागसिद्धया
 यद्वयडाईसदहसूमात्रवनडयालाहगकयांलुयडाअपुनस
 नकुयासिद्ध॥२१॥ ॥४॥गिष्ठाप्रकविंगगितामापुनसपूर्व

गुणगुणसमायक॥०॥गुण॥



आपनामानवर्ग

जिह्वा मसृज्वा

नमः सा

मा व

मान मिद्र

मृद नि

द्वय अय

द्वय सय

द्वय नयि

द्वय मारु

द्वय ककिन

द्वय मृद

द्वय नि

द्वय नि

१ पादेकदृष्टिः समसकलोमः द्विपाददृष्टिर्दगमहगीयः॥ एपाददृष्टिः
नवपञ्चलोमः संपूर्णदृष्टिश्चतुर्नासुलोमः॥ सगजया॥ पादेकदृष्टिश्च
तुर्नासुजीवः॥ द्विपाददृष्टिः समसकजीवः॥ एपाददृष्टिर्दगमहगीयः स
ंपूर्णदृष्टिर्नवपञ्चजीवः॥ एहस्यमि॥ पादेकदृष्टिर्नवपञ्चलोमैत्रिद्वि
पाददृष्टिश्चतुर्नासुलोमैत्रि॥ एपाददृष्टिः समसकलोमैत्रि संपूर्णदृ
ष्टिर्दगमहगीयः॥ गनिश्चनया॥

नवमर्षः उहपाकचतुष्टयवृष्टिश्चको लोमस्यसकककोऽप्यकचापि
नोवृष्टयश्च जीवस्यकर्कसकशोमीनकचो सितास्यश्चतुहसवोचम
दस्यउवनीशोऽदाहलो॥ नवा

या किंचा गुलियत्तऽलिस्नालापतिं नंदानां गो अंगुदत्त
उलित्या वं ~~मम~~ गुगुलु ~~मम~~ गुगुलु ~~मम~~ गुगुलु ~~मम~~ गुगुलु
वास्तु संतनः रुम्मा या ॥ सोसगुगुलु उगुलित्यः सेव
या यगुलः ॥ भुम्भ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ सेव या नो । त्या को घालि परागुल

गने शायनम् ॥ वैत्यमा वदवाभि नहुत्त ममु मार्गे कमे
जेदा गु न वाथ वा नरित य पौषे घुरि यद्व नथे शावानम
ये शरति भु आषाढवा वा कथाः आये उ त र यदु का मुक् र सव
ता व गु रि ॥ १ ॥ ॥ ॥
खसि श्री गिरियन वक्र वै दान नि नरया



ASHA ARCHIVES

/334

I

ASHA ARCHIVES

